# मानव-हाथी संघर्ष रोकने संबंधी प्रयासों की समीक्षा

**गुवाहाटी, 24 अगस्त:(ख.स.)।** एपीजे चाय और डब्ल्यूडब्ल्यूएफ इंडिया ने आज असम में चुनिंदा क्षेत्रों में मानव-हाथी संघर्ष (एचईसी) को रोकने और प्रबंधित करने के लिए अपनी सफल साझेदारी (2015-18) के परिणामों की घोषणा की। एपीजे चाय और डब्ल्यूडब्ल्यूएफ-इंडिया के बीच तीन साल की साझेदारी असम के शोणितपुर जिले में विशेष रूप से चाय बागानों में एचईसी प्रबंधन उपायों का समर्थन करने के लिए अपनी तरह का पहला था। एपीजे चाय के साथ सफल साझेदारी के नतीजों की घोषणा करते हुए, डॉ. दीपंकर घोष, निदेशक, प्रजाति और परिदृश्य, डब्ल्यूडब्ल्यूएफ - इंडिया ने कहा कि डब्ल्यूपीएफ-इंडिया की एपीजे चाय के साथ 3 साल की लंबी साझेदारी ने मानव-हाथी संघर्ष के प्रबंधन के लिए सकारात्मक प्रभाव डाले हैं शोणितपुर जिला संघर्ष प्रवण बागानों में गहन संघर्ष प्रबंधन रणनीति के माध्यम से, कई पहलों को लागू किया गया है जो मानव-हाथी संघर्ष से संबंधित नुकसान को कम करने में सफल पाए गए। इस तीन साल की साझेदारी के नतीजे डब्ल्यूडब्ल्यूएफ-इंडिया दोनों के लिए एक संरक्षण संगठन के रूप में और एपीजे चाय के लिए कॉर्पोरेट पार्टनर के रूप में दीर्घकालिक महत्व है, असम में मानव-हाथी संघर्ष प्रबंधन में एक महत्वपूर्ण हितधारक। रेणु कक्कर, निदेशक सीएसआर, एपीजे सुरेंद्र समूह ने कहा कि शोणितपुर में चाय बागानों से मानव हाथी संघर्ष के कारण 50 प्रतिशत से अधिक मौतें दर्ज की गयीं, जब एपीजे चाय और डब्ल्यूडब्ल्यूएफ इंडिया ने एक साथ काम करने का फैसला किया। उस समय शोणितपुर में एपीजे चाय की चार संपत्तिएं एचईसी से प्रभावित थीं क्योंकि जिले के अन्य चाय बागान थे। सोनीपत में गहन संघर्ष प्रबंधन रणनीति को निधि देने वाली एपीजे चाय शायद पहली चाय कंपनी थी। एक दाता के रूप में और एचईसी के शिकार के रूप में, डब्ल्यूडब्ल्यूएफ-इंडिया के साथ हमारी साझेदारी की सफलता ने हमें समाधानों पर मूल्यवान अंतर्दृष्टि लायी है।